हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 02 देहरादून, शुक्रवार, 16 जून, 2023 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 08

कोई कानून अपने हाथ में न ले : सीएम की हिदायत 3

महा जनसम्पर्क अभियान में मुख्यमंत्री ने गिनाई केंद्र और राज्य की उपलब्धियां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 जून , महा जनसम्पर्क अभियान के अन्तर्गत जाखन, देहरादून में आयोजित 'लाभार्थी सम्मेलन' कार्यक्रम में जन सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 9 सालों में देश के समग्र विकास के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। पिछले 9 वर्षों में करीब 4 करोड़ से अधिक पक्के घर गरीब परिवारों को मिल चुके हैं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में गरीबों के लिए आवास निर्माण की ऐसी क्रांति पहले कभी नहीं दिखी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में देश की जनता ने नरेन्द्र मोदी पर अपना भरोसा जताया था। आज जनता के इसी भरोसे ने 2014 से 2023 के नौ वर्षों की अवधि में देश की ''समृद्धि रूपी'' रेल गाड़ी को ''विकास रूपी पटरियों'' पर तेजी से दौड़ाने का कार्य किया है। इन नौ वर्षों में मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार द्वारा स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा तक, निःशुल्क खाद्यान्न से लेकर निशुल्क इलाज तक, किसानों के विकास से लेकर गरीबों के आवास तक, सेना के आधुनिकीकरण से लेकर सीमाओं की सुरक्षा तक, प्रत्येक नागरिक को वैक्सीन पहुंचाने से लेकर हथियार और मोबाइल उत्पादन तक हर क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किये हैं। पहले भारत दवाओं और टीकों के लिए दूसरे देशों पर

निर्भर रहता था। कोरोना काल में मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत ने कोविड के दो स्वदेशी टीके न केवल विकसित किए बल्कि कई देशों को इनकी आपूर्ति भी की। केन्द्र सरकार ने 80 करोड़ लोगों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने का ऐतिहासिक कार्य किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की दूरगामी सोच का ही परिणाम है कि देश में करीब 50 करोड़ जनधन खाते गरीबों के लिए खोले गए। इन नौ वर्षों में नौ करोड़ से अधिक उज्ज्वला गैस कनेक्शन गरीबों को दिए गए। धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ के भव्य कॉरिडोर का निर्माण, बद्रीनाथ धाम का मास्टर प्लान और केदारनाथ धाम का पुनर्निर्माण ये कुछ ऐसे महत्वपूर्ण कार्य हैं जिनको आने वाली पीढ़ियां भी हमेशा याद रखेंगी। आज भारत दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में उत्तराखंड में विकास के कार्य तेजी से हो रहे हैं। राज्य सरकार द्वारा 01 लाख 81 हजार गरीब परिवारों को तीन गैस सिलेंडर मुफ्त दिये जा रहे हैं। प्रदेश की महिलाओं के लिये क्षैतिज आरक्षण की व्यवस्था को लागू करना हो, समान नागरिक संहिता का मसौदा तैयार करना हो, जबरन धर्मांतरण पर रोक के लिये कानून बनाना हो, देश का सबसे कड़ा नकल विरोधी कानून बनाना हो, आंदोलनकारियों को आरक्षण देना हो या फिर हाल ही में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे प्रदेश के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति देने के लिए उठाए गए कदम हों, इन सभी महत्वपूर्ण कार्यों को धरातल पर उतारने का प्रयास किया है। आज प्रदेश के आधारभूत ढांचे को मजबूत करने और राज्य को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अनेकों कार्य किये जा रहे हैं।कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 09 सालों में देश में विकास के हर क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की वजह से वैश्विक स्तर पर भारत को एक नई पहचान मिली है। उनको विदेशों में जो सम्मान मिल रहा है, वह हर भारतवासी का सम्मान है। समाज के सभी वर्गों को ध्यान में रखते हुए केन्द्र सरकार द्वारा जनकल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। समाज के अन्तिम पंक्ति पर खड़े लोगों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री द्वारा राज्य में समान नागरिक संहिता, सख्त नकल विरोधी कानून, जबरन धर्मान्तरण को रोकने के लिए सख्त कानून जैसे लिए गये निर्णयों की पूरे देश में सराहना हो रही है। महिलाओं, किसानों एवं युवाओं को सशक्त बनाने के लिए राज्य में अनेक कार्य किये जा रहे हैं। इस अवसर पर सांसद माला राज्यलक्ष्मी शाह, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट, मेयर सुनील उनियाल गामा, भाजपा के महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ अग्रवाल, भाजपा युवा मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा जोशी उपस्थित थे।

तहसील कोश्या कुटोली अब होगी तहसील 'श्री कैंची धाम' : मुख्यमंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 जून , मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी प्रदेशवासियों व सम्पूर्ण देश से आने वाले श्रद्धालुओं को श्रद्धा, भक्ति एवं विश्वास के पावन स्थल एवं हनुमान जी के अनन्य भक्त बाबा नीब करौरी द्वारा स्थापित कैंची धाम के स्थापना दिवस की शुभकामना दी। कैंची धाम के स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमन्त्री पुष्कर सिंह धामी ने दो घोषणाएं की।

उन्होंने घोषणा की कि तहसील कोश्या कुटोली, जनपद नैनीताल का नाम बाबा नीब करौरी के धाम के नाम से तहसील ''श्री कैंची धाम'' होगा। वर्ष भर श्री कैची धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा सुगम हो, इस हेतु भवाली सैनिटोरियम से रातीघाट तथा भवाली सैनिटोरियम से नैनी बैण्ड के बाईपास सड़क का निर्माण तीव्रता से करते हुए अगले वर्ष श्री कैंची धाम के स्थापना दिवस से पूर्व पूर्ण कराने का प्रयास किया जायेगा।

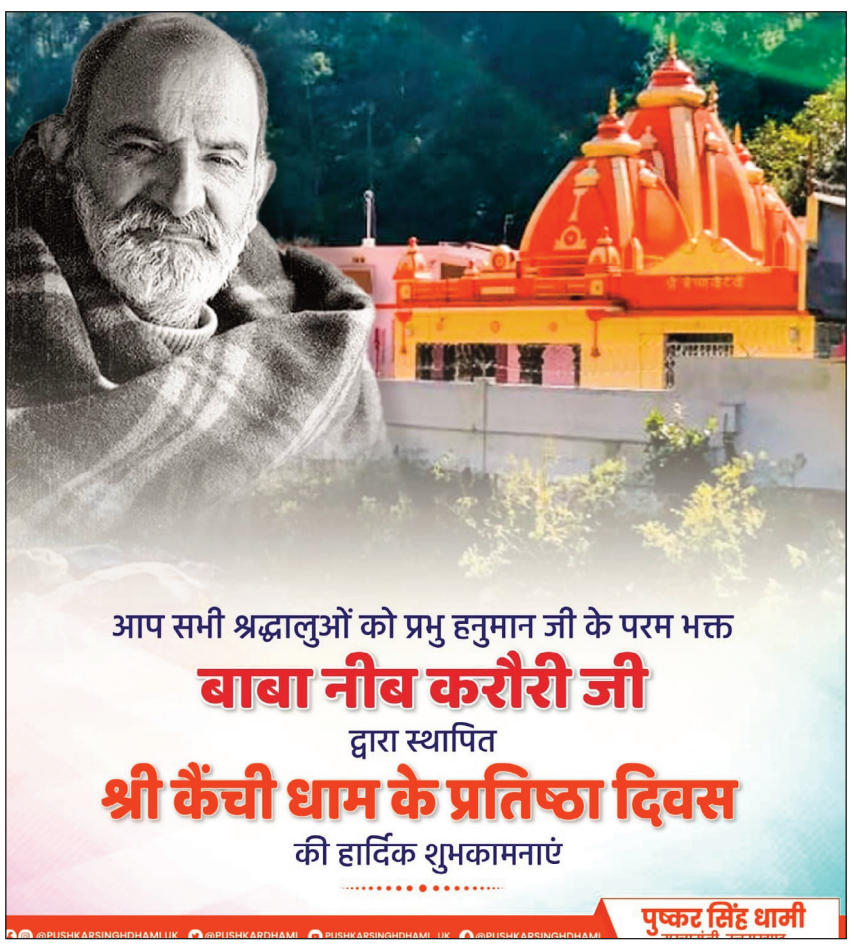

16 जून को केदारनाथ धाम पहुंचेंगे सीएम धामी

रुद्रप्रयाग। जिला कार्यालय से प्राप्त सूचना के अनुसार प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी शुक्रवार (16 जून) को एक दिवसीय केदारनाथ धाम भ्रमण पर पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री के केदारनाथ भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत कानून एवं शांति व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के संपादन हेतु जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री शुक्रवार (16 जून) को

प्रातः 6:15 बजे मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय देहरादून से कार के माध्यम से प्रस्थान कर 6 बजकर 25 मिनट पर जीटीसी हैलीपैड़ देहरादून पहुंचेंगे। यहां से 6:30 बजे हैलीकॉप्टर के माध्यम से प्रस्थान कर 7 बजकर 10 मिनट पर वीआईपी हैलीपैड़ केदारनाथ पहुंचेंगे। श्री केदारनाथ धाम में कुछ समय रुकने के बाद मुख्यमंत्री प्रातः 9 बजे वीआईपी हैलीपैड़ केदारनाथ से हैलीकॉप्टर के माध्यम से जीटीसी हैलीपैड़ देहरादून के लिए प्रस्थान करेंगे। मुख्यमंत्री के केदारनाथ भ्रमण कार्यक्रम के दृष्टिगत जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जनपद स्तरीय अधिकारियों को कानून एवं शांति व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं के संपादन हेतु केदारनाथ धाम में तैनाती के आदेश निर्गत किए हैं। उन्होंने संयुक्त मजिस्ट्रेट केदारनाथ धाम आशीष कुमार मिश्रा मुख्यमंत्री के जनपद आगमन से विदाई तक ओवर ऑल मजिस्ट्रेट होंगे। इसी तरह मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचसीएस मार्तोलिया कार्यक्रम स्थल में मेडिकल टीम, ऑक्सीजन कोविड-19 के दृष्टिगत पर्याप्त मास्क/सैनिटाईजर, ब्लड ग्रूप की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। अपर मुख्य कार्याधिकारी केदारनाथ योगेंद्र सिंह संपूर्ण कार्यक्रम के दौरान मंदिर परिसर व केदारनाथ धाम में उपस्थित रहते हुए संबंधित अधिकारियों से आवश्यक समन्वय बनाते हुए कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखेंगे। उप जिलाधिकारी ऊखीमठ जितेंद्र वर्मा एमआई-17 हैलीपैड से मंदिर परिसर तक रूट मजिस्ट्रेट होंगे। तहसीलदार ऊखीमठ दीवान सिंह राणा चारधाम हैलीपैड़ गुप्तकाशी के मजिस्ट्रेट तथा अधिशासी अभियंता लोनिवि ऊखीमठ मनोज भट्ट अतिथियों की भोजन, जलपान व अल्प विश्राम की व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे। मंदिर परिसर के सेक्टर अधिकारी देवेंद्र प्रसाद सेमवाल मुख्यमंत्री के आगमन से विदाई तक कार्यक्रम स्थल के प्रभारी होंगे। इनके अतिरिक्त सहायक अभियंता लोनिवि सुमित बिष्ट को सेफ हाउस प्रभारी, जीएमवीएन के क्षेत्रीय प्रबंधक सुदर्शन खत्री मुख्य अतिथियों तथा अति विशिष्ट अतिथियों को भोजन, जलपान व अल्प विश्राम आदि की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने जबकि श्री बदरी-केदार मंदिर समिति के कार्याधिकारी रमेश चंद्र तिवारी मंदिर दर्शन, पूजा अर्चना की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे। सहायक अभियंता लोनिवि दीपक नेगी जीएमवीएन केदारनाथ में उपस्थित रहकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करेंगे।उन्होंने सभी अधिकारियों को उनसे संबंधित दायित्वों का निर्वहन पूर्ण निष्ठा से करने के निर्देश दिए हैं।

कैसे तय होता है गाड़ी पर लाल, नीली और पीली बत्ती लगाने का अधिकार ?

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जून , आपने कई बार यह देखा होगा कि कई अधिकारियों की गाड़ियों पर लाल, नीली या फिर पीली बत्ती लगी हुई होती है। भारत में सेंट्रल मोटर व्हीकल्स रूल्स 1989 के नियम 108 की धारा के अनुसार यह दिशा-निर्देश भी है कि व्यक्ति ड्यूटी के दौरान इन बत्तियों को लगा सकते हैं। पर क्या आप जानती हैं कि किन अधिकारियों को गाड़ी पर ये बत्तियां लगाने का अधिकार होता है? अगर नहीं तो चलिए हम आपको बताते हैं।

किन अधिकारों को होता है लाल बत्ती लगाने का अधिकार ?

केंद्र सरकार ने साल 2017 में वाहनों में लाल और नीली बत्ती के इस्तेमाल को नियंत्रित करते हुए कुछ निर्देश दिए थे। इसके साथ ही मोटर वेहिकल एक्ट में भी संशोधन करने का प्रयास किया था। आपको बता दें कि फ्लैश युक्त लाल बत्ती का अधिकार इस निर्देश से पहले राज्यपाल, मुख्यमंत्री, पूर्व मुख्यमंत्री, विधान परिषद सभापति व विधानसभा अध्यक्ष तथा दोनों सदनों के नेता विरोधी दल, हाईकोर्ट के मुख्य न्यायमूर्ति और अन्य न्यायाधीश साथ ही प्रदेश सरकार के मंत्री को दिया हुआ था। वहीं बात करें अगर बिना फ्लैशर की लाल बत्ती कि तो विधान परिषद उप सभापति, प्रदेश के राज्य मंत्री व उप मंत्री, विधानसभा उपाध्यक्ष, मुख्य सचिव, राज्य निर्वाचन आयुक्त, उप्र अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष, उप्र अनुसूचित जाति व जनजाति अध्यक्ष, उप्र लोक सेवा आयोग अध्यक्ष, महाधिवक्ता व राजकीय निर्माण निगम के प्रबंध निदेशक

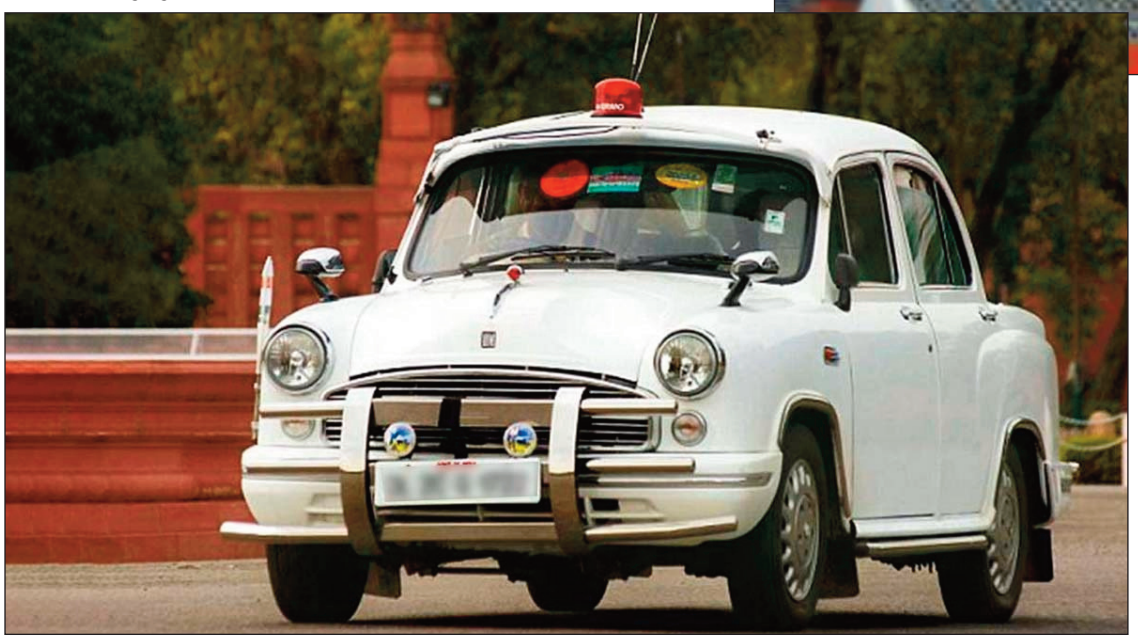

को इस बत्ती को लगाने का अधिकार दिया था। इसके अलावा इमरजेंसी सेवाएं देनी वाली गाड़ियां जैसे एंबुलेंस और फायर ब्रिगेड नीली और लाल बत्ती का इस्तेमाल कर सकती थी।

नीली बत्ती लगाने का अधिकार किन्हें होता है ?

नीली बत्ती जो फ्लैशर के साथ है उसे यूज करने का अधिकार केंद्र सरकार के निर्देश से पहले राजस्व परिषद अध्यक्ष, औद्योगिक विकास आयुक्त, सभी प्रमुख सचिव व सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, पुलिस महानिदेशक व अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, जिला न्यायाधीश, उप महानिरीक्षक, जिला मजिस्ट्रेट, जिलों के प्रभारी एसएसपी व एसपी, उच्चतर न्यायिक सेवा के अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नगर मजिस्ट्रेट, उप जिला मजिस्ट्रेट, जिलों में तैनात अपर जिला मजिस्ट्रेट, जिला प्रभारी निरीक्षक, थानाध्यक्ष क्षेत्राधिकारी व अपर पुलिस अधीक्षक, चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट व चीफ ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट को यूज कर सकते थे।

किन्हें पीली बत्ती लगाने का अधिकार होता है ?

कमिश्नर इनकम टैक्स, पुलिस अधीक्षक, रेवेन्यू कमिश्नर को पीली बत्ती लगाने का अधिकार दिया गया था। आपको बता दें कि केंद्र सरकार के द्वारा कई अधिकारियों को लाल-नीली बत्ती का प्रयोग नहीं करने का आदेश दिया था और इसके लिए वह मोटर वेहिकल एक्ट में भी संशोधन करने की तैयारी कर रहे हैं।

पहली बार सजा रहे हैं अपने घर की बालकनी तो आगजमाएं ये टिप्स

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जून , किसी अपार्टमेंट, या शहरी क्षेत्र में रहने का मतलब यह नहीं है कि आप एक सुंदर गार्डन का आनंद नहीं ले सकते. थोड़ी सी रचनात्मकता से आप अपनी बालकनी को एक हरे-भरे और रंगीन जगह में बदल सकते हैं. तो चलिए जानते हैं कि आप कैसे अपने घर की बालकनी को सुंदर बना सकते हैं और इसके लिए आपको क्या-क्या करना होगा ?

1. आकार, लेआउट और सही पौधों का चुनाव

सबसे पहले अपनी बालकनी के आकार और लेआउट पर विचार करें. यदि आपके पास सीमित स्थान है तो आप ऐसे पौधों को चुन सकते हैं जो आकार में छोटे हों. इसके बाद, इस बारे में सोचें कि आपकी बालकनी को कितनी धूप मिलती है. दरअसल, कुछ पौधों को पूर्ण सूर्य की आवश्यकता होती है, जबकि कुछ को आंशिक, और कुछ को बिल्कुल नहीं.

सुनिश्चित करें कि आप ऐसे पौधे चुनें जो आपकी बालकनी को मिलने वाली धूप की मात्रा के अनुकूल हों. अपने क्षेत्र में जलवायु और मौसम की स्थिति पर भी विचार करें. यदि आप गर्म और शुष्क जलवायु में रहते हैं, तो आप ऐसे पौधे चुनना चाहेंगे जो सूखा-सहिष्णु हों. और गर्मी को संभाल सकें. दूसरी ओर, यदि आप ठंडी जलवायु में रहते हैं, तो आप ऐसे पौधों को चुनना चाहेंगे जो ठंडे तापमान को संभाल सकें.

2. एक छोटी सी जगह का अधिकतम उपयोग

छोटी जगह को सुंदर बनाने में इंसान की क्रिएटिविटी बहुत मायने रखती है. आपने देखा होगा वर्टिकल गार्डन, के अलावा कुछ लोग टेबल पर ही अपने प्लांट शानदार तरीके से सजा देते हैं. जेड प्लांट से भी बालकनी को सुंदर बनाया जा सकता है. आप अलग-अलग रंगों वाले पौधों का चयन करके या रंगीन प्लांटर्स, कुशन, या आउटडोर गलीचे जैसे रंगीन बगीचे के सामान जोड़कर अपने बालकनी गार्डन में कुछ रंग जोड़ सकते हैं.

3. वर्टिकल गार्डनिंग का विकल्प चुन सकते हैं

बालकनी में जाली, या हैंगिंग बास्केट का उपयोग करके पौधों को वर्टिकल रूप से उगाने पर विचार किया जा सकता है. आपकी बालकनी में जो भी दीवार है उस पर आप एक्शन बना सकते हैं और उस सेल्फ पर अलग-अलग तरह के पौधे रख सकते हैं. यह आपको अपने बगीचे की जगह को फैलाने और गार्डन को सुंदर बनाता है.

4. पुरानी चीजों का यूज करें

हम अक्सर नई चीज को लगाने से पहले पुरानी चीजों को फेंक देते है लेकिन यह सोचे की पुरानी चीजों को फेंकने से बेहतर इनका इस्तेमाल बगीचे में कैसे किया जा सकता हैं. पुराने पैलेट, बाल्टियां और यहां तक कि जूतों को अनोखे प्लांटर्स में बदला जा सकता हैं. साथ ही अपने बालकनी गार्डन को बनाए रखना यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि आपके पौधे पनपते रहें.

आम चुनाव से पहले साम्प्रदायिक मुद्दों को हवा दे रही भाजपा : यशपाल आर्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 जून , राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था पर चिंता प्रकट करते हुए नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि, राज्य सरकार बेरोज़गारी, महंगाई और भ्र-ष्टाचार जैसी बिकराल होती समस्याओं का हल निकालने के बजाय राज्य में दहशत का माहौल बनाने वालों को प्रश्रय दे रही है। उन्होंने कहा कि , सरकार को अपराधी को धर्म न देखते हुए हर अपराधी को अपराधी मानते हुए उसे कानून के अनुसार सजा दिलानी चाहिए।

उत्तरकाशी के पुरोला वाली घटना पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि ,पिछले पांच-छह दिनों से उत्तरकाशी से जो तस्वीरें आ रही हैं वे देश-दुनिया को विचलित करने वाली हैं । यशपाल आर्य ने कहा कि , ₹ पुलिस की मौजूदगी में अल्पसंख्यकों की दुकानों को उजाड़ा जा रहा है और पुलिस बेबस मूकदर्शक बनी हुई है ₹ । नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , पुरोला की घटना के नामजद दो अपराधी दो अलग-अलग संप्रदायों से हैं परंतु एक सम्प्रदाय को सरकार भाजपा से लेकर हर स्तर पर कुछ धार्मिक संगठनों द्वारा निशाना बनाया जा रहा है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , क्या उत्तराखंड के साथ दिल्ली की भाजपा सरकार को इस बात का एहसास नहीं है कि , आख़िर उन बेगुनाह परिवारों पर क्या गुज़र रही होगी जिनकी दुकानों- मकानों को निशाने पर लेकर नुकसान पंहुचाया जा रहा है ? उन्होंने इन घटनाओं पर केंद्र सरकार की चुप्पी पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा कि , ₹ आखिर कितनी हिंसा के बाद राज्य और केंद्र सरकार अपना राजधर्म निभाएगी ?

यशपाल आर्य ने कहा आरोप लगाया कि, जैसे-जैसे 2024 के लोक सभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं केंद्र और राज्य सरकारों के पास बड़ती बेरोज़गारी, महंगाई, भ्र-ष्टाचार, जैसे मुद्दों के जबाब नही हैं इसलिए साम्प्रदायिक मुद्दों को हवा दे कर पिछले विधानसभा चुनावों की तरह ध्रुवीकरण की

राजनीति कर चुनाव जीतना चाहती है।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि , हिंसा के इस माहौल के कारण शांत राज्य माने जाने वाले उत्तराखंड की छवि पूरी दुनिया में बिगड़ रही है और पीढ़ियों से साथ रह रहे अलग-अलग संप्रदायों के बीच का भाई चारा खत्म करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि , हेट स्पीच मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय पहले ही उत्तराखंड की खिंचाई कर चुकी है अब नैनीताल उच्च न्यायालय ने भी आज सरकार को निशाने पर लेकर जबाब मांगा है। उन्होंने कहा कि , कांग्रेस पार्टी इस मामले में प्रधानमंत्री , केंद्रीय गृहमंत्री और मुख्यमंत्री से इस मामले में हस्तक्षेप कर दोषी को सजा दिलाने और निर्दोष को संरक्षण देने की मांग करती है।

कोई कानून अपने हाथ में न ले : सीएम की हिदायत

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 जून , पुरोला घटनाक्रम को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि किसी को भी कानून को अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने सभी लोगों से शांति व्यवस्था बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोई भी माहौल खराब करने की कोशिश करेगा तो कानून अपना काम करेगा। उन्होंने कहा कि अभी तक हुई घटनाओं में प्रशासन ने ठीक तरीके से काम किया। अगर कोई दोषी होगा तो उसके खिलाफ कानून काम करेगा। कोई कानून अपने हाथ में न ले।

चमधार में तीर्थ यात्री बस पलटी, 24 घायल, एक गंभीर

श्रीनगर गढ़वाल। ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर धारी देवी के समीप चमधार में तीर्थ यात्रियों से भरी बस पलट गई। जिसमें बस का परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया। जबकि 23 अन्य लोगों को हल्की चोटें आई हैं। घायलों में 18 महिलाएं व 6 पुरुष शामिल हैं। बस में कुल 29 यात्री सवार थे। सभी यात्री राजस्थान के जयपुर से चारधाम यात्रा पर आए थे। बदरीनाथ से जयपुर को लौटते हुए यह हादसा हुआ। गुरुवार को दोपहर के समय बदरीनाथ धाम से दर्शन कर लौट रहे राजस्थान जयपुर के यात्रियों की बस के चमधार में ब्रेक फेल हो गए। जिससे बस में सवार यात्रियों में चीख पुकार मच गई। स्थिति को देखते हुए चालक ने सूझ-बूझ का परिचय देते हुए बस को मुख्य राजमार्ग से चमधार-देवलगढ़ मोटर मार्ग की तरफ मोड़ दिया।

स्वच्छता के नाम पर खानापूर्ति कर रही नगर पंचायत थराली

चमोली ।जहां एक और स्वच्छता पखवाड़ा जोर शोर से चल रहा है वही नगर पंचायत थराली में एक स्वच्छता गोष्ठी का आयोजन कर स्वछता पर बड़ी-बड़ी बातें कहीं गई लेकिन हकीकत कुछ और ही है नगर पंचायत थराली केवल स्वच्छता के नाम पर खानापूर्ति कर रही है गौरतलब है कि नगर पंचायत थराली का कोई स्थाई डंपिंग जोन नहीं है पूरा नगर का कूड़ा कर्णप्रयाग -ग्वालदम मोटर मार्ग पर ग्राम पंचायत बेनौली के पास देवराडा वन पंचायत के बरसाती नाले में डाला जा रहा है जो नाला सीधे पिंडर नदी में जाकर मिलता है हल्की बारिश होते ही नगर का सारा कूड़ा पिंडर नदी में बह जाता है जिससे जलीय जीवों के साथ पिंडर नदी प्रदूषित हो रही है ग्राम प्रधान बेनौली गंभीर सिंह रावत का कहना है कि नगर पंचायत थराली नगर का सारा कूड़ा बेनौली के पास बरसाती नाले में डाला जा रहा है जिसकी बदबू के कारण राहगीरो तथा स्कूली बच्चों को यहां से गुजरने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वही चील, कौवे, बंदर कूड़े को इधर-उधर फैला रहे हैं साथी हल्की बारिश होते ही सारा कूड़ा पिंडर नदी में बह रहा है जिससे लगता है कि नगर निगम प्रधानमंत्री की स्वच्छ भारत मिशन को पलीता लगा रहा है और गर्मी शुरू होते ही क्षेत्र में कूड़े की वजह से बदबू से गंभीर बीमारियां पनपने का खतरा बना हुआ है कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष थराली विनोद रावत ने बताया कि नगर पंचायत थराली स्वछता के नाम पर केवल खानापूर्ति कर रहा है और बड़े-बड़े होर्डिंग पोस्टर लगाकर सेल्फी खींच कर इतिश्री कर रहा है उन्होंने बताया कि नगर पंचायत थराली द्वारा अभी भी कई स्थानों पर नालिया ना बनने के कारण कूड़ा नालियों में भरा पड़ा हुआ है किस कारण गर्मियों में बीमारी का खतरा बना हुआ है।

देश के प्रथम गांव माणा के लिए मास्टर प्लान बनाने की कवायद शुरू

चमोली। बाइब्रेंट विलेज माणा को मास्टर प्लान के तहत पाइलेट प्रोजेक्ट के तौर पर विकसित किया जाएगा। इसके लिए देश के प्रथम गांव माणा का मास्टर प्लान बनाने की कवायत भी शुरू हो गई है। इसके तर्ज पर ही जनपद के अन्य बाइब्रेंट विलेजों को भी विकसित किया जाएगा। जिलाधिकारी हिमांशु खुराना ने बुधवार को जीएमवीएन बदरीनाथ में आईएनआई के डिजाइन कंसल्टेंट सहित जनपद के सभी रेखीय विभागों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देशित किया कि माणा गांव में विद्युत, पेयजल लाईन, रास्ते, सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सीवरेज सिस्टम, दूरसंचार एवं अपने विभाग से संबधित अन्य मौजूदा परिसंपत्तियों का पूरा सर्वेक्षण करें और शहरी विकास विभाग के मानकों की तर्ज पर आगामी 25 वर्षो की जरूरतों को मध्येनजर रखते हुए इसका पूरा डेटा शीघ्र उपलब्ध करें। ताकि माणा गांव में मास्टर प्लान के तहत काम शुरू किया जा सके। उन्होंने विद्युत विभाग को पावर स्टेशन, सब स्टेशन, अंडर लाईन केबल बिछाने, जल संस्थान को पेयजल की आपूर्ति, सीवरेज सिस्टम, सिचाई विभाग को सरस्वती व अलकनंदा का जल स्तर, एवलांच की स्थिति का विस्तृत सर्वेक्षण करने को कहा। साथ दूरसंचार संस्थान बीएसएनएल, जिओ व एयरटेल को नेटवर्क की मौजूदा क्षमता एवं भविष्य की जरूरत के हिसाब से संचार सुविधा को सुदृढ़ करने के निर्देश। बैठक के बाद जिलाधिकारी ने बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के अन्तर्गत संचालित रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, सिविक एमीनिटी सेंटर, शेष नेत्र झील, मंदिर सौन्दर्यीकरण आदि कार्यो का स्थलीय निरीक्षण भी किया।

संक्षिप्त खबरें

उखलेत चमासू के जंगलों में लगी भीषण आग

पौड़ी। तहसील सतपुली के उखलेत चमासू के जंगलों में गुरुवार की दोपहर भीषण आग लग गई। ग्रामीणों की सूचना पर दमकल, राजस्व व वन विभाग की टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गुरुवार को उखलेत चमासू के जंगलों में गुरुवार की दोपहर भीषण आग लग गई। स्थानीय ग्रामीण पूर्व प्रधान चमासू प्रताप सिंह द्वारा आग की सूचना प्रशासन को दी गई जिसके बाद राजस्व, वन विभाग व पौड़ी से दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची। जिसके बाद शाम लगभग पांच बजे तक आग पर काबू पाया गया । इससे पहले पॉलिटेक्निक कॉलेज के स्टाफ व स्थानीय ग्रामीणों ने आग को बुझाने का भरसक प्रयास किया लेकिन आग पर काबू नहीं पाया गया। पूर्व प्रधान चमासू प्रताप सिंह ने बताया कि यह आग आस पास के गांव के ग्रामीण घसेरी में असामाजिक तत्वों द्वारा लगाई गई है । इससे पहले भी असामाजिक तत्वों द्वारा कई बार जंगलों में आग लगाई गई है । राजस्व निरीक्षक वेदप्रकाश पटवाल ने कहा कि इस संबंध में ग्रामीणों से पूछताछ की जाएगी। इससे पहले भी आग लगाने के संबंध में ग्रामीणों को चेताया गया था और जंगलों आग न लगाने के लिए जागरूक किया गया था । मौके पर पॉलिटेक्निक कॉलेज प्रधानाचार्य नर्मदा सिंह, मनमोहन लखेड़ा, ओम प्रकाश, दमकलकर्मी व वनकर्मी मौजूद रहे।

कोटीकांची अस्पताल परिसर के गणपति मन्दिर में होगा तीन दिवसीय महा कुम्भाभिषेक का आयोजन

रुद्रप्रयाग। श्री कांची कामकोटि शंकरा धर्माथ अस्पताल रूद्रप्रयाग परिसर रतूड़ा कोटीकांची मे स्थित गणपति मन्दिर मे तीन दिवसीय विशाल महाकुम्भाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा,जो कि 23 जून से और 25 जून तक चलेगा। धर्मार्थ ट्रस्ट रतूड़ा परियोजना प्रबंधन समिति के सदस्य कृष्ण कुमार एवं स्वामीमाथन ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री कांची कामकोटी पी के जगदगुरु शंकराचार्य विजेयन्द्र सरस्वती जी के आशीर्वाद एव मार्गदर्शन मे रतड़ा के उत्तरकांची परिसर मे स्थित गणपति मन्दिर मे तीन दिवसीय भव्य महाकुंभाभिषेक के साथ-साथ अस्पताल भवन का जीर्णोद्धार कर अविलम्ब धर्माथ चिकित्सा सुविधा की शूरुआत की जायेगी। उन्होंने कहा कि जगदगुरू शंकराचार्य की मंशा के अनूरूप उतरकांची मठ परिसर को सनातन, धर्म ,आध्यात्म,चिकित्सा सेवा ,शिक्षा एवं सामाजिक सरोकारों के साथ साथ ही अभिनव ध्यान योग केन्द्र के रुप मे विकसित किये जाने के प्रयास किये जायेंगे। इस अस्पताल प्रबंधन समिति के स्थानीय समिति के सदस्य एंव मठ के सेवक वरिष्ठ पत्रकार श्यामलाल सुन्दरियालन ने कहा कि कांचीकामकोटी के ब्रह्मलीन शंकराचार्य स्वामी जयेन्द्र सरस्वती जी के पावन सानिध्य मे 1987 मे स्थापित कांचीकामकोटी शंकरा अस्पताल को धर्माथ चिकित्सा सेवाएं विगत 36 वर्षो के दौरान उल्लेखनीय रही है।

सशक्त भू कानून लागू करने की उठाई मांग

पौड़ी। हेमवती नंदन बहुगुणा मूर्ति स्थल पर नागरिक कल्याण मंच, उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी, भारतीय किसान सभा के संयुक्त तत्वावधान में भीड़ हिंसा और सांप्रदायिक उन्माद की घटनाओं के विरोध में सांकेतिक धरना दिया गया। इस दौरान कार्यक्रम के संयोजक विनोद चमोली ने कहा कि देश और राज्य में लगातार भीड़ हिंसा की घटनाओं में वृद्धि हो रही है। लोगों में नफरत की भावना बढ़ रही है। सरकार भू माफिया को संरक्षण दे रही है। इस दौरान विभिन्न संगठनों ने भीड़ हिंसा पर रोक लगाते हुए कानून का राज स्थापित करने, बढ़ती नफरत पर रोक लगाते हुए रोजगार देने, भू माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने, प्रदेश में सशक्त भू कानून लागू करने आदि की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान भी चलाया। इस मौके पर नागरिक कल्याण मंच पौड़ी के अध्यक्ष रघुवीर सिंह रावत, सभासद अनीता रावण, पूर्व जिला पंचायत सदस्य एडवोकेट कुसुम नेगी, रोशनी सिंह, प्रेम सिंह गुसाईं, श्याम प्रसाद उनियाल, शशि बल्लभ घिल्डियाल, सुखदेव सिहं, धनी लाल, एडवोकेट सुनील सिंह, एडवोकेट विनोद चमोली, सीटू के सुरेंद्र सिंह रावत, उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के नरेश चंद्र नौडियाल आदि शामिल रहे।

किडनी खराब होने पर शरीर में दिखते हैं ये 5 बदलाव

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जून , किडनी हमारे बॉडी फंक्शन का जरूरी हिस्सा हैं. अगर किडनियां काम करना बंद कर दें तो पूरी बॉडी फंक्शनिंग पर इसका असर पड़ता है. किडनी डैमेज होने से हमारे बहुत से अंग काम करना बंद कर सकते हैं और शरीर गंभीर बीमारियों की चपेट में आ जाता है. कभी कभी हम किडनी के खराब होने के संकेतों को पहचान नहीं पाते हैं और जब तक हम कुछ समझ पाते हैं तब तक काफी लेट हो चुकी होती है. यहां हम आपको कुछ लक्षणों के बारे में बता रहे हैं जिनसे आप पहचान सकते हैं कि किडनियों पर क्यों एक्स्ट्रा फोकस करने की जरूरत है.

आपकी त्वचा ड्राई और खुरदरी हो गई है

किडनियां रेड ब्लड सेल्स को बनाने में मदद करती हैं, हड्डियों को हेल्दी रखती हैं, शरीर से अपशिष्ट और एक्स्ट्रा लिक्विड को हटाती हैं, आपके खून में मिनरल्स के लेवल को बनाए रखती हैं और रेड ब्लड सेल्स बनाने में सहायता करती हैं. जब किडनी आपके ब्लड में मिनरल और पोषक तत्वों के संतुलन को बनाए रखने में असमर्थ होती हैं तो स्किन ड्राई और खुजली वाली हो सकती है.

पेशाब करने की तीव्र इच्छा

बार बार पेशाब करने की जरूरत खासकर रात में किडनी की बीमारी का संकेत हो सकता है. पेशाब करने की इच्छा में बढ़ोत्तरी किडनी के फिल्टर को नुकसान पहुंचा सकती है. यह कभी-कभी पुरुषों में यूरीन इंफेक्शन या बढ़े हुए प्रोस्टेट का संकेत हो सकता है.

आंखों के आसपास सूजन

यूरीनर में प्रोटीन की ज्यादा मात्रा होना या हो सकता है कि आपकी किडनी इसे जमा करने के बजाय मूत्र में बहुत अधिक प्रोटीन छोड़ रही हो, यही कारण है कि आपकी आंखों के आसपास सूजन हो सकती है.

टखनों और पैरों में सूजन है

किडनी की लो फंक्शनिंग के कारण सोडियम रेजिस्टेंस की वजह से आपके पैर और टखनों में सूजन हो सकती है. इसके अलावा निचले अंगों में सूजन हार्ट डिजीज, लीवर रोग या लगातार पैर की नसों की समस्या हो सकती है.

भूख कम होना

लंबे समय तक भूख न लगने को नजर-अंदाज नहीं करना चाहिए, लेकिन अगर कम भूख महसूस हो रही है तो ये संकेत है कि आपकी किडनियां ठीक से काम नहीं कर पा रही हैं.

दुनिया का सबसे पुराना बरगद का पेड़, उम्र है 500 साल !

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जून , उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के नरौरा में एक बरगद का वर्षों पुराना पेड़ मिला है, जिसकी उम्र 500 साल बताई जा रही है. जिसने दुनिया में बरगद का सबसे पुराना पेड़ होने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. इससे पहले हावड़ा में आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान में 350 वर्ष पुराना बरगद का पेड़ के नाम यह उपलब्धि थी.

500 साल पुराना बरगद का पेड़ मिला

मीडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, प्रयागराज सेंटर, बेबे-बोल्याई विश्विद्यालय, रोमानिया और जोहान्सबर्ग, दक्षिण अफ्रीका की एक प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों की एक टीम ने दुनिया के सबसे पुराने बरगद के पेड़ की खोज की है. वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाया है कि यह पेड़ 500 साल पुराना है. जो दुनिया के विशाल बरगद के पेड़ों में दसवें स्थान पर है. बीएसआई, प्रयागराज की

सीनियर साइंटिस्ट प्रोफेसर आरती गर्ग के मुताबिक, यह पेड़ बुलंदशहर में नरौरा पावर प्लांट से आठ किमी की दूरी पर मौजूद है. जिसे ऊपरी गंगा रणसार में एक फ्लोरोस्टिक सर्वे के दौरान खोजा गया. इस पेड़ के मुख्य ट्रंक को सहारा देने के केवल चार जड़े हैं. नरौरा बरगद के पेड़ को खोजे जाने के बाद मीडिया से बातचीत के दौरान

प्रोफेसर आरती गर्ग कहती हैं "भारत में बरगद के पेड़ का अध्यात्मिक, पौराणिक और धार्मिक महत्व है. जो शाश्वत जीवन या उर्वरता का प्रतीक माना जाता है. इस घरों और मंदिर के आस-पास लगाया जाता है. बरगद के पेड़ को 'कल्पवृक्ष' भी कहा जाता है. जिसका मतलब होता है इच्छा पूरी करने वाले पेड़."

मिसाल बना मजदूर - कश्मीरी युवक ने पास की NEET की परीक्षा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जून , हौसले की उड़ान कितनी ऊँची कामयाबी दिला सकती है ये समझना हो तो दक्षिणी कश्मीर जिले के जागीगाम गांव के रहने वाले उमर अहमद गनी की कहानी पढ़ लीजिये जिन्होंने नीट-यूजी परीक्षा में 601 अंक हासिल किये हैं. गनी ने कहा कि एमबीबीएस में दाखिले के लिए नीट-यूजी पास करने के लिए उसने ज्यादातर खुद पढ़ाई की और कुछ ऑनलाइन कक्षाओं की मदद भी ली.

गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले गनी की इस उपलब्धि पर पूरा क्षेत्र गर्व महसूस कर रहा है. गनी ने मीडिया को बताया, ''पिछले दो साल से मैं दिन में मजदूरी करता और रात को पढ़ाई कर रहा था. मैं रंगाई-पुताई का काम भी करता हूं. मैंने कड़ी मेहनत करने और नीट पास करने की कसम ली थी और अल्लाह के करम से मुझे सफलता मिली."

गनी ने कहा कि एमबीबीएस में दाखिले के लिए नीट-यूजी पास करने के लिए उसने ज्यादातर खुद पढ़ाई की और कुछ

ऑनलाइन कक्षाओं की मदद भी ली. उसने कहा कि छात्रों को संसाधनों की कमी को लेकर चिंता नहीं करनी चाहिए और कड़ी मेहनत करने पर ध्यान देना चाहिए.गनी ने कहा, ''अगर आपके पास पैसे नहीं भी हैं तो ऑनलाइन काफी कुछ उपलब्ध है. मैं सभी से सिर्फ कड़ी मेहनत करने को कहना चाहता हूं." गनी के घर पर उत्सव जैसा माहौल है. रिश्तेदार और पड़ोसी बधाइयां दे रहे हैं.

लायंस क्लब सेवा ने 85 रक्तदाताओं को किया सम्मानित

रुद्रपुर। विश्व रक्तदाता दिवस पर लायंस क्लब सेवा और सिटी कान्वेंट स्कूल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में 85 रक्तदाताओं को स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बुधवार शाम आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ लायंस इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर बीएन चौधरी और फर्स्ट वीडीजी (इलेक्ट) मुकेश जैन, क्लब अध्यक्ष जितेंद्र पारूथी, विद्यालय संस्थापक मोहन चंद्र उपाध्याय, सचिव डॉ. उमेश कुमार सुनदास, कोषाध्यक्ष मनोज कन्याल, प्रोग्राम चेयरमैन दलवीर सिंह सोहल और प्रधानाचार्य अमित रोनाल्ड ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर चौधरी ने सभी रक्तदाताओं का आभार जताया और उन्हें दानवीर की संज्ञा दी। फर्स्ट वीडीजी मुकेश जैन ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को जीवन में एक बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। इस दौरान रक्तदाताओं ने अपने अनुभव भी मंच पर साझा किए। विद्यालय में एक सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था। इसके साथ सभी रक्तदाताओं ने तस्वीर ली। संचालन की मनोज वाधवा और इंदरनाथ गोस्वामी ने किया। इस मौके पर प्रवीण उपाध्याय, कमल असवाल, हरबिंदर कौर, केसर पारूथी, तिलक उपाध्याय, अमित रोनाल्ड, वंदना जोशी, लक्ष्मी मेहता, भावना जोशी, नरेश जोशी, रश्मि चौड़ाकोटी, सुरक्षा श्रीवास्तव, आजाद सिंह परगाईं, प्रकाश बिष्ट, राजेंद्र उपाध्याय, महेश पाटनी आदि रहे।

ये लोग हुए सम्मानितः विनोद पचौली, रमेश महर, सुमित यादव, संचित सक्सेना, जहीर शाह, रोहित गुप्ता, पुष्कर रौतेला, प्रियांशु बंसल, प्रेमप्रकाश जोशी, हिमांशु तिवारी, निशा सक्सेना, दीप्ति ग्रोवर, एडवोकेट मोहसिन बेग, एडवोकेट नईम रिजवी, गगनदीप सिंह, हिमांशु तिवारी, हेमा जोशी, अमन अग्रवाल, हरिमोहन जोशी, गणेश भंडारी, आरती चौहान, क्रांति जोशी, दीपा शर्मा, भगवंत खालसा, सतनाम खालसा, अनिल ग्रोवर, इंद्रनाथ गोस्वामी, अर्जुन मुंडेला, कमल असवाल, महेंद्र राणा, नवीन कंछल, पंकज टम्टा, उपेंद्र कुमार, मनोज वाधवा, धन सिंह अधिकारी, सलीम अहमद रिजवी, रवि अग्रवाल, रामदत्त जोशी आदि सम्मानित हुए।

दिव्य देवभूमि के पांचवे केदार कल्पेश्वर मंदिर का रहस्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 जून , उत्तराखंड राज्य में गढ़वाल क्षेत्र के अंतर्गत चमोली जिले की उरगम नाम की घाटी में स्थित है पंच केदार मंदिरों में पांचवे स्थान पर पूजा जाने वाला भगवान कल्पेश्वर का मंदिर ... दूर से देखने पर कल्पेश्वर मंदिर में भले ही विशाल आकार की कुछ चट्टानें नजर आती हैं लेकिन, मुख्य रूप से यही दिव्य चट्टानें भगवान शिव की उलझी हुई जटाओं के प्रतीक के रूप में पूजी जाती हैं।आज की इस कल्पगंगा नदी का प्राचीन नाम हिरण्यवती हुआ करता। इसी नदी के एकदम किनारे पर स्थित भगवान कल्पेश्वर का यह मंदिर एक प्राकृतिक गुफा के रूप में है। इस मंदिर की स्थापना द्वापर युग में स्वयं पांडवों द्वारा की गई थी। समुद्र तल से इस मंदिर की ऊंचाई 2,200 मीटर, यानी करीब 7,217 फीट है। हालांकि गुफा के बाहर के कुछ हिस्से मान निर्मित भी हैं। पंच केदार मंदिरों में से मात्र कल्पेश्वर ही एकमात्र ऐसा मंदिर है जो आम श्रद्धालुओं के लिए वर्षभर खुला रहता है।कल्पेश्वर केदार के नाम के विषय में पौराणिक तथ्यों से पता चलता है कि प्राचीन समय में मंदिर के आसपास की इस भूमि पर कल्प वृक्षों का घना वन, यानी ''कल्प वन'' हुआ करता था, इसलिए उस कल्प वन के नाम से ही पांचवें केदार के रूप को कल्प केदार और फिर कल्पेश्वर केदार नाम दिया गया। शिव पुराण में उल्लेख है कि ऋषि दुर्वासा ने इसी स्थान पर कल्प वृक्ष के नीचे बैठकर तपस्या की थी।

जोशीमठ के टैक्सी स्टैंड से कल्पेश्वर की दूरी करीब 28 कि.मी. है। इस यात्रा में करीब एक घंटा समय लग जाता है, और इस दूरी के लिए कम से कम 70 से 80 रुपये देने पड़ते हैं। जोशीमठ से चलने पर सबसे पहला गांव आता है हेलंग।

हेलंग गांव जोशीमठ से करीब 18 कि.मी. बाद और कल्पेश्वर मंदिर से 10 कि.मी. पहले आता है।इस यात्रा में जोशीमठ के टैक्सी स्टैंड से हेलंग के रास्ते पहुंचते हैं उरगम वैली के देव ग्राम में। देव ग्राम में उतरने के बाद यहां से कल्पेश्वर महादेव मंदिर तक पैदल यात्रा की शुरुआत होती है।देवग्राम से चलने पर मात्र कुछ ही दूरी तक जाने के बाद लोहे का एक पुल है जिसके जरिए इसी कल्पगंगा नदी को पार करते हुए मंदिर तक जाना होता है। यहां कोई बहुत बड़ा या भव्य मंदिर नहीं बल्कि प्राकृतिक गुफा के तौर पर एक छोटे से आकार का कक्ष है जिसमें भगवान शिव की उन दिव्य जटाओं की पूजा होती है। इन जटाओं के अलावा इस गुफा में एक दिव्य स्वयंभू शिवलिंग भी है। इसी पूजा स्थल से लगा हुआ एक छोटा सा अमृत कुंड भी है जिसमें भगवान शिव की इन विशाल आकार वाली जटाओं से बूंद-बूंद जल टपकता रहता है। अमृत कुंड के इसी जल से भगवान कल्पेश्वर का जलाभिषेक किया जाता है।

अब 4 साल में मिलेगी BA, BSc की डिग्री, पढ़िए युनिवर्सिटी के नाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जून , विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के अनुसार आगामी शैक्षणिक सत्र से 19 केंद्रीय विश्व-विद्यालयों सहित देश भर के कुल 105 विश्वविद्यालय चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं. यूजी पाठ्यक्रम पैटर्न में यह बदलाव नई शिक्षा नीति 2020 के तहत किया गया है. इसके पहले भी यूजीसी ने एनईपी 2020 के तहत कई बदलावों की घोषणा की है.

चार वर्षीय यूजी पाठ्यक्रमों के लिए चयन करने वाले केंद्रीय विश्वविद्यालय में दिल्ली विश्वविद्यालय, अलीगढ़ मुस्लिम विश्ववि-द्यालय, विश्व भारती विश्वविद्यालय, असम विश्वविद्यालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, केंद्रीय जम्मू विश्वविद्यालय, सिक्किम विश्ववि-द्यालय, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय शामिल है.श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अंग्रेजी और विदेशी भाषा विश्वविद्यालय, हेमवती नंदन बहुगुणा, गढ़वाल विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, राजीव गांधी विश्वविद्यालय और हरियाणा, दक्षिण बिहार और तमिलनाडु के केंद्रीय विश्वविद्यालय भी सूची में शामिल हैं. अन्य विश्वविद्यालयों में 40 से अधिक डीम्ड-टू-बी विश्वविद्यालय, 18 राज्य निजी विश्वविद्यालय और 22 राज्य विश्वविद्यालय भी शामिल हैं.एनईपी 2020 ने सिफारिश की थी कि स्नातक डिग्री या तो तीन या चार साल अवधि की हो, इस अवधि के भीतर दो साल के अध्ययन के बाद यूजी डिप्लोमा या तीन साल के कार्यक्रम के बाद स्नातक की डिग्री दी जा सकती है. एनईपी 2020 के तहत यूजीसी ने यूजी और पीजी कार्स में कई बदलाव किए हैं. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से क्रेडिट सिस्टम भी शुरू किया गया है. इसके तहत आवश्यक क्रेडिट प्राप्त करने पर स्टूडेंट्स को निर्धारित समय से पहले भी डिग्री मिल सकती है.बता दें कि डीयू और बीएचयू ने यूजी पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी है. सीयूईटी यूजी परीक्षा में शामिल स्टूडेंट्स संबंधित विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए पंजीकरण कर सकते हैं.

'नशा मुक्त उतराखण्ड अभियान' में ANTF टीम ने चलाया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून , 16 जून , पुलिस उपमहानि-रीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद देहरादून दलीप सिंह कुँवर व पुलिस अधीक्षक अपराध जनपद देहरादून सर्वेश पंवार आईपीएस के दिशा निर्देशन में अंत-रराष्ट्रीय ड्रग्स दिवस के उपलक्ष्य में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त भारत पखवाड़ा के रूप में मनाए जाने हेतु विस्तृत दिशा निर्देश दिए गए हैं! निर्देशों के क्रम में पुलिस उपाधीक्षक आपरेशन के पर्यवेक्षण में जनपद देहरादून एएनटीएफ टीम द्वारा गाँधी पार्क देहरादून में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के सम्बंध में जानकारी देकर जागरूकता अभियान चलाया गया। नुक्कड़ नाटक का मंचन DAV PG कॉलेज देहरादून के संगठन मंत्रणा समिति के छात्रों मुकुल बहुगुणा, हितेश,महक,मेघा, यश और सुप्रिया द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त नारकोटिक्स डॉग के साथ कुठाल गेट चौकी पर वाहनों/व्यक्तियों की चैकिंग की गई।

स?क तो बनी नहीं, कैसे बनेगा राष्ट्रीय राजमार्ग: बिट्टू कर्नाटक

अल्मोड़ा। उत्तराखण्ड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक ने चौंसली कोसी मोटर मार्ग का भ्रमण कर पूरी सडक़ के हालात का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि इस सडक़ के तीन किलोमीटर हिस्से का निर्माण किया जाना बाकी है, इसके साथ ही इस मोटर मार्ग में तीन पुलों का बनना भी अभी बाकी है। स्यालीधार के नीचे लगभग 18 मीटर का पुल, उसके अलावा सैनार गांव के समीप 24 मीटर का एक पुल एवं मटेला पम्प के समीप 18 मीटर के पुल का बनना बाकी है, उन्होंने कहा कि ये मात्र कोरी अफवाह है कि यह मोटर मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग का बायपास बनने जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट रूप से राज्य सरकार एवं मुख्यमंत्री से मांग की कि इस सडक़ को तत्काल प्रभाव से पूर्ण किया जाए। जो तीन किलोमीटर सडक़ कटनी है उसे तत्काल प्रभाव से काटा जाए।यह मोटर मार्ग न केवल अल्मोड़ा ही नहीं वरन यहां के आस पास के गांवों के लोगों के लिए भी अति महत्वपूर्ण है, साथ ही आज जिस तरह से अल्मोड़ा सहित आस पास के क्षेत्रों में लगातार वाहनों के दबाव से जाम की स्थिति बन रही है, चूंकि पर्यटन सीजन के समय धार्मिक पर्यटन के नाम पर पूरे देश ही नहीं अपितु विदेशों से भी लोग यहां आते हैं।

तमंचे पर डिस्को या रंगबाजी सिर्फ फिल्मों में हरिद्वार में न करे : एसएसपी हरिद्वार

डीएम नाम से मशहूर युवक को मंहगा पड़ा सोशल मीडिया पर दहशत फैलाना

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 16 जून , कोतवाली लक्सर में अवैध हथियारों की नुमाइश कर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे वीडियो पर आरोपियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्यवाही के सम्बन्ध में एसएसपी अजय सिंह द्वारा दिए गए निर्देशों पर कार्य करते हुए पुलिस टीम द्वारा पड़ताल कर आरोपी युवक शिवम उर्फ़ डीएम को जसोदरपुर तिराहा सुल्तानपुर से अवैध तमंचा व 04 जिन्दा कारतूस के साथ दबोचा गया।

युवक द्वारा सोशल मीडिया पर तमंचा लहराकर दबंगई दिखाते हुए वीडियो पोस्ट करने के सम्बन्ध में शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर पुलिस टीम ने तत्काल संज्ञान लेकर नियमानुसार कार्यवाही की गई।अभियुक्त शिवम उर्फ़ डीएम सुल्तानपुर कोतवाली लक्सर जिला हरिद्वार का रहने वाला है। जिसके पास से 1 अवैध तंमचा 4 जिंदा कारतूस 12 बोर बरामद किया गया है।

लखनऊ का बी टेक छात्र मोबाइल चोर, हरिद्वार पुलिस के हत्थे चढ़ा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार , 16 जून , थाना कनखल सुखधाम दादू बाग कनखल निवास शिवांश माहेश्वरी द्वारा थाना कनखल में आकर सूचना दे गई कि प्रेम नगर आश्रम पुल के पास किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी व उसके दोस्त की स्कूटी से मोबाइल चोरी कर लिए थे। सूचना पर तुरंत मुवमेंट दिखाते हुए घटनास्थल के नजदीक मौजूद सीपीयू में तैनात हेड कांस्टेबल गोपाल सिंह व कॉन्स्टेबल प्रदीप सिंह ने एक युवक को पकड़ कर उसके कब्जे दोनों मोबाइल बरामद हुए हैं।पकड़े गए व्यक्ति से सख्ती से पूछताछ करने पर जानकारी मिली कि वह B.S.M. डिग्री कॉलेज रुड़की से बीटेक मैकेनिकल की पढ़ाई कर रहा है और वर्तमान में कनखल में ही राजपूत धर्मशाला में रह रहा है। घर से खर्चे के पैसे ना मिलने पर आरोपी युवक द्वारा मोबाइल चोरी करने का तरीका ढूंढा गया और स्कूटी की कई सारी चाबियां बनवा कर घाटों के आसपास खड़ी स्कूटी से मोबाइल चुराने लगा। अभियुक्त की निशांदेही पर पुलिस टीम ने चोरी के कुल 22 मोबाइल, 06 चाबियां, 16 सिम कार्ड व 03 मेमोरी कार्ड बरामद किए गए।

ये हुआ बरामद - 1- एप्पल, वीवो, redme, Oppo, oneplus के कुल 22 मोबाइल फोन2- स्कूटी की 06 मास्टर चाबियां, 3- 16 सिम कार्ड व 03 मेमोरी कार्ड

आइये ये है सरकारी सस्ते सोने की दुकान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जून , सोने में निवेश की इच्छा रखने वालों के लिए 4 दिन बाद सुनहरा मौका है. आप सीधे सरकार से सोना खरीद सकते हैं वो भी बाजार दाम से सस्ता. दरअसल भारतीय रिजर्व बैंक ने 2023-24 के लिए सॉवरेन गोल्ड बांड स्कीम का कैलेंडर जारी कर दिया है और इसकी पहली किस्त में निवेश करने का मौका 4 दिन बाद ओपन हो रहा है.आरबीआई के बयान के मुताबिक गोल्ड बांड की पहली किस्त 19 जून से 23 जून के तक मिलेगी. इसके बाद गोल्ड बांड की दूसरी किस्त इस साल सितंबर में 11 से 15 तारीख तक खुलेगी. गोल्ड बांड में आपको बाजार से सस्ते दाम पर सोने में निवेश का मौका मिलता है, वहीं इस पर रिटर्न पर भी बेहतर आता है. चलिए जानते हैं कि गोल्ड बांड में कौन और कैसे निवेश कर सकता है.

सॉवरेन गोल्ड बांड में निवेश

गोल्ड बांड को आरबीआई जारी करता है. इसके लिए हर बार बाजार मूल्य के हिसाब से दाम तय किया जाता है, जिसका ऐलान

आरबीआई बांड जारी करने से कुछ दिन पहले जारी करता है. अगर आप गोल्ड बांड के लिए डिजिटल माध्यम से पेमेंट करते हैं, तब आपको प्रति ग्राम के भाव पर 50 रुपये की छूट मिलती है.

यानी बाजार भाव से काफी सस्ते में आप यहां सोने में निवेश कर सकते हैं.गोल्ड बांड में कोई भी व्यक्ति या हिंदू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) 4 किलोग्राम के बराबर मूल्य का निवेश कर सकता है. जबकि ट्रस्ट और अन्य इकाई 20 किलोग्राम के बराबर मूल्य तक गोल्ड बांड खरीद सकते हैं. ये निवेश लिमिट पूरे वित्त वर्ष की है. गोल्ड बांड को बैंकों, पोस्ट ऑफिस, पेमेंट बैंक, ग्रामीण बैंक और स्टॉक एक्सचेंज इत्यादि से खरीदा जा सकता है.

गोल्ड बांड है फायदे का सौदा

सॉवरेन गोल्ड बांड में निवेश करना एक फायदे का सौदा है. पहली बात तो ये इसमें 5 साल का लॉक इन पीरियड होता है और 8 साल का मैच्योरिटी पीरियड, यानी 5 साल बाद आप इस बांड को भुना सकते हैं. दूसरी बात मैच्योरिटी पर इस बांड में उस समय के गोल्ड रेट के हिसाब से रिटर्न मिलता है, साथ ही हर साल का 2.5 प्रतिशत का ब्याज अलग से मिलता है.

ग्रीन हिल्स ट्रस्ट परिवार ने पूर्व दर्जामंत्री कर्नाटक के साथ की अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल को लेकर चर्चा बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा। साहित्य और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की परंपरा को समर्पित प्रथम अल्मो?ा लिटरेचर फेस्टिवल 2023 का आयोजन ग्रीन हिल्स संस्था द्वारा किया जा रहा है। इस आयोजन को सफल बनाने के लिए संस्था ने पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक के साथ कार्यालय में आवश्यक चर्चा बैठक की। इसके बाद श्री कर्नाटक ने बताया कि यह आयोजन ग्रीन हिल्स संस्था के तत्वाधान में 30 जून से 2 जुलाई 2023 तक किया जाना निश्चित हुआ है। तीन दिनों तक हिमालय की गोद में आध्यात्मिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं वैज्ञानिक रूप से धनी अल्मोडा की भूमि में होने वाला यह आयोजन साहित्य, कला और संस्कृति को समर्पित होगा। इस आयोजन में सम्पूर्ण भारतवर्ष से अनेक संगीतग्य, वक्ता, कलाकार, लेखक और कवि प्रतिभाग करेंगे जिसमें उत्तराखंड के कलाकारों और लेखकों पर भी ध्यान आकर्षित होगा। इस अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य साहित्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से विचारों का आदान-प्रदान का रहेगा जो परिचर्चा, बुक रीडिंग, प्रदर्शनी आदि की श्रृंखला के माध्यम से संपन्न होगा। इस आयोजन के माध्यम से साहित्यकारों और कलाकारों को प्रोत्साहित किया जाएगा जो नये परिपेक्ष्य में नए विचारों का आदान प्रदान करेंगे। श्री कर्नाटक ने कहा कि हमारी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए यह आयोजन ग्रीन हिल्स ट्रस्ट द्वारा आयोजित है जिसके सह प्रायोजक अनकॉमनसेंस फिल्म, होटल शिखर, स्टूडियो बारडो और अल्मोड़ा किताब घर रहेंगे। इस आयोजन में अनेक प्रकार की गतिविधियां संचालित रहेंगी जो हर उम्र के व्यक्तियों की रुचि के हिसाब से होंगी। इनमें कुछ किताबों का विमोचन, काव्य पाठ, परिचर्चा प्रतिदिन संगीत के कार्यक्रम, कला और फोटोग्राफी प्रदर्शनी आदि भी शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे अल्मो?ा, उत्तराखंड एवं भारतवर्ष से सभी आएं और अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल 2023 में साहित्य और संस्कृति के महोत्सव का आनंद लें और अल्मोड़ा की समृद्ध विरासत को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने में सहयोगी बनें।

कलस्टर स्कूलों के गठन में तेजी लायें अधिकारी : डॉ. धन सिंह रावत

- 30 जून तक अनिवार्य रूप से डीपीआर जमा करें समस्त बीईओ
- लम्बे समय से गायब शिक्षकों के खिलाफ अमल में लायें ठोस कार्रवाही

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 16जून, राज्य सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में गुणात्मक सुधार, भौतिक संसाधनों में वृद्धि, शिक्षकों की उपलब्धता एवं छात्र संख्या में वृद्धि के दृष्टिगत प्रदेशभर में कलस्टर स्कूलों के गठन का निर्णय लिया है। प्रत्येक विकासखंड में न्यूनतम दो कलस्टर विद्यालय स्थापित किये जायेंगे। जिसकी प्रक्रिया पूर्ण करने की जिम्मेदारी खंड शिक्षा अधिकारियों को सौंपी गई है। सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को चयनित कलस्टर स्कूलों, पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त विद्यालयों के नये भवनों हेतु कार्यदाय संस्थाओं के माध्यम से शीघ्र डीपीआर तैयार कराने के निर्देश दिये गये हैं।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने आज देहरादून स्थित एक निजी होटल में शिक्षा अधिकारियों की बैठक ली, जिसमें शासन एवं निदेशालय के उच्चधिकारियों के साथ ही प्रदेशभर के खंड शिक्षा अधिकारियों एवं उप खंड शिक्षा अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। विभागीय मंत्री डा. रावत ने करीब तीन घंटे तक चली मैराथन बैठक में चयनित कलस्टर विद्यालयों की संख्या, पीएम-श्री स्कूलों की प्रगति, परिषदीय परीक्षा में छात्र-छात्राओं का प्रदर्शन, विद्यालय में तैनात शिक्षकों एवं छात्रों की संख्या, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता, निःशुल्क पाठ्य पुस्तकों का वितरण, लम्बे समय से लापता एवं बीमार शिक्षकों एवं शिक्षणेत्तर कार्मिकों की स्वैच्छिक एवं अनिवार्य सेवानिवृत्ति की प्रगति आदि बिन्दुओं पर विकासखंडवार समीक्षा की। उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिये कि चयनित कलस्टर स्कूलों में से वर्तमान वित्तीय वर्ष में प्रत्येक ब्लॉक में न्यूनतम दो-दो कलस्टर विद्यालयों का गठन करना अनिवार्य है। इसके लिये अधिकारी स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अभिभावकों के साथ पांच से दस किलोमीटर के दायरे में आने वाले स्कूलों के समायोजन की सहमति बनाते हुये सभी बिन्दुओं पर विचार-विमर्श करें। इसके उपरांत अंतिम रूप से चयनित कलस्टर विद्यालयों तथा पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त विद्यालयों के नये भवन निर्माण की कार्यदायी संस्था से डीपीआर बनवाकर शीघ्र मुख्य शिक्षा अधिकारी को सौंपे ताकि समय पर सभी स्कूल भवनों एवं कलस्टर विद्यालयों की डीपीआर स्वीकृति हेतु शासन को उपलब्ध हो सके। शिक्षा मंत्री डा. रावत ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी विद्यालयों में नशा मुक्ति एवं तम्बाकू निषेध अभियान चलाने के साथ ही छात्रों को नैतिक शिक्षा एवं शिक्षकों को आचरण सेवा नियमावली का पालन कराना भी सुनिश्चित करना होगा। इसके लिये उन्होंने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने विकासखंड में विशेष अभियान चलाकर समय-समय पर समीक्षा करने को भी कहा। डा. रावत ने कहा कि जो शिक्षक एवं कर्मचारी लम्बे समय से गायब हैं अथवा लम्बे समय से बीमारी के कारण स्कूलों में अनुपस्थित हैं उनके विरूद्ध नियमानुसार अनिवार्य एवं स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति की कार्यवाही भी करें। समीक्षा बैठक में कलस्टर स्कूलों के गठन को लेकर शिक्षा निदेशालय की ओर उप निदेशक डॉ. चेतन नौटियाल के द्वारा प्रस्तुतिकरण भी दिया गया।

इस अवसर पर विभगीय मंत्री ने राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद उत्तराखंड द्वारा तैयार आनन्दम्-पाठ्यचर्चा विशेषांक 'आनंद-पथ' पत्रिका के द्वितीय संस्करण का विमोचन भी किया। विभागीय सचिव रविनाथ रमन, अपर सचिव योगेन्द्र यादव व महानिदेशक वंशीधर तिवारी ने भी अधिकारियों को विद्यालयों के स्थापना एवं शिक्षा की गुणवत्ता सहित विभिन्न बिन्दुओं पर दिशा-निर्देश दिये।

बैठक में सचिव विद्यालयी शिक्षा रविनाथ रमन, अपर सचिव योगेन्द्र यादव, महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा वंशीधर तिवारी, निदेशक माध्यमिक शिक्षा सीमा जौनसारी, निदेशक प्राथमिक शिक्षा वंदना गर्ब्याल, अपर निदेशक रामकृष्ण उनियाल, महावीर सिंह बिष्ट, डॉ. मुकुल सती, जे.एल शर्मा, रघुनाथ लाल आर्य, डा.एस.बी. जोशी, जगमोहन सोनी, चेतन प्रसाद नौटियाल, सहित अन्य विभागीय अधिकारी एवं प्रदेशभर से आये खंड शिक्षा अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

बंगाल में रक्तपात क्यों?

पश्चिम बंगाल की रक्तरंजित संस्कृति किसकी देन है? क्या भारत के क्रांतिकारी, सभ्य, संभ्रांत बंगाल की सांस्कृतिक विरासत मार-पीट, खूंरेजी और बर्बर हत्याओं की हो सकती है? चुनाव तो संविधान और लोकतंत्र का अंतरंग हिस्सा हैं, तो फिर पंचायत चुनावों से पहले बंगाल के कई आदरणीय इलाकों में ल_बाज, बमबाज, पत्थरबाज और कातिल नौजवानों की भीड़ कहां से आई है और उन्हें कौन संरक्षण दे रहा है? क्या बंगाल में मताधिकार भी सिर्फ 'किताबी' रह गया है? क्या सियासत और सत्ता के मायने हिंसा और हत्याएं ही हैं? मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुद हिंसा की शिकार रही हैं और वह पीड़ा, प्रहार झेलकर बीते 12 सालों से राज्य की मुख्यमंत्री हैं, तो उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता राज्य को सरेआम रक्तरंजित कैसे कर सकते हैं? औसतन 25-30 राजनीतिक हत्याएं हर साल की जाती हैं, यह राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का खुलासा है। ये आंकड़े ज्यादा भी हो सकते हैं। इस खूनी खेल में भाजपा, कांग्रेस और वामदल भी शामिल हैं। बंगाल के चुनावों में और रोजमर्रा के जीवन में हिंसा और हत्याओं की विरासत वाममोर्चा की है। उसने राज्य पर 34 लंबे साल तक शासन किया है। गली-कूचे साक्षी हैं कि वामपंथियों ने कत्लेआम के जरिए किस तरह हुकूमत चलाई थी! आज ममता और तृणमूल की दोहरी जिम्मेदारी इसलिए है, क्योंकि सत्ता उनके हाथों में है और अहिंसक राजनीति का वायदा भी उन्हीं का था। बंगाल में बदलाव लाने के बजाय ममता ने भी 'अपराधीकरण की राजनीति' को बढ़ावा दिया है। प्रश्रय दिया है।राज्य की पुलिस ममता सरकार के अधीन कार्यरत है, लेकिन जहां टकराव होते हैं, लहूलुहान किया जाता है, बम बनाकर फोड़े जाते हैं, वहां पुलिस मूकदर्शक रहती है अथवा मुंह घुमा लेती है! इससे यथार्थ छिप नहीं सकता। यकीनन यह विडंबना और लानत है। ममता देश भर में लोकतंत्र और संघवाद की पैरोकार बनी रहती हैं। दीदी ही बता सकती हैं कि मुर्शिदाबाद, बीरभूम, पूर्वी मिदनापुर, पूर्वी बर्दवान, कूचबिहार, नॉर्थ-साउथ 24 परगना आदि इलाकों में बम कहां से आते हैं? विभिन्न समूहों में हिंसक टकराव और रक्तपात क्यों होते रहे हैं? क्या पंचायत चुनाव के लिए ऐसा माहौल और मार-काट भी 'लोकतांत्रिक' है? 2018 के पंचायत चुनावों में 20,000 से अधिक उम्मीदवार निर्विरोध जीते दिखाए गए थे। उनमें 80 फीसदी से ज्यादा तृणमूल या उसके समर्थित प्रत्याशी थे।

दैनिक न्यूज़ वायरस
संपादक : मौ.सलीम सैफी, कार्यकारी संपादक : आशीष कुमार तिवारी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से प्रकाशित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से मुद्रित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002 **RNI No. :** UT-THIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com **Website :** www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus
न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

पहले अंडा नहीं मुर्गा - मुर्गी आए - वैज्ञानिकों ने खोजा जवाब

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट , 16 जून , ब्रिस्टल युनिवर्सिटी के साइंटिस्ट्स ने अपनी अजीब थ्योरी से लोगों को हैरान कर दिया है। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि धरती पर पहले अंडा नहीं मुर्गा-मुर्गी आए।आपने ये पेचीदा सवाल अपने जीवन एक न एक बार जरूर सुना होगा कि पहले अंडा आया या मुर्गी? लंबे समय से इस सवाल को लेकर तरह-तरह के दावे किए जाते रहे हैं पर अब वैज्ञानिकों ने इस पहेली को सुलझा लिया है। वैज्ञानिकों ने बताया कि धरती पर क्या चीज पहले आई। आइए जानते हैं पहले अंडा आया या मुर्गी?

पहले अंडा आया या मुर्गी?

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट्स ने अपनी अजीब थ्योरी से लोगों को हैरान कर दिया है। वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि धरती पर पहले अंडा नहीं मुर्गा-मुर्गी आए। इस अजीब दावे को लेकर वैज्ञानिकों ने कई तथ्य भी दिए जिसपर लोग यकीन नहीं कर पा रहे हैं। वैज्ञानिकों ने रिपोर्ट में दावा किया है के हजारों साले पहले के मुर्गा-मुर्गी ऐसे नहीं थे जैसे आज हैं। वे अंडे नहीं बल्कि पूर्ण रूप से बच्चे को जन्म देते थे। इसके बाद लगातार इनमें परिवर्तन होता चला गया।

अंडा और मुर्गी को लेकर क्या कहती है रिसर्च?

ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी और नानजिंग यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने दावा किया पूर्ण रूप से बच्चा देने वाले मुर्गे-मुर्गी की प्रजातियों में अंडे देने की क्षमता भी विकसित हो गई थी। इससे ये साफ तौर पर कहा जा सकता है कि अंडा पहले नहीं आया मुर्गा और मुर्गी पहले आए। शोधकर्ताओं ने आगे कहा कि बच्चे को जन्म देने की क्षमता का अलग होने का कारण एक्सटेंडेड एम्ब्रायो रेटेंशन है। कई जीव ऐसे अंडे देते हैं जिसमें भ्रूण अंडे के अंदर बिलकुल नहीं बना होता और बाद में तैयार होता है, जैसे चिड़िया, मगरमच्छ और कछुए। वहीं कुछ ऐसे जीव होते हैं जिनके अंडों में भ्रूण का विकास पहले ही हो जाता है।

नव नियुक्त अधिकारियों को बांटी जिम्मेदारी

श्रीनगर गढ़वाल। गढ़वाल केंद्रीय विवि में हाल ही में उप कुलसचिव और सहायक कुलसचिव पद पर नियुक्ति अधिकारियों को विवि ने जिम्मेदारी बांटी है। इस संदर्भ में कुलसचिव प्रो. एनएस पंवार की ओर से आदेश जारी किया गया है। जिसमें उप कुलसचिव जितेंद्र डिमरी को एकाउंट, आरसीसी व आरटीआई, सहायक कुलसचिव कनिका बहुगुणा को आईक्यूएसी, कुलपति सचिवालय मीटिंग, एआईएसएचई व एनआईआरएफ पोर्टल्स, कुलदीप सिंह को रिक्रूटमेंट सेल, लीगल सेल, मीटिंग सेल व डीओपीटी पोर्टल तथा सूर्य प्रकाश को प्रशासन(एनटी), विजिलेंस की जिम्मेदारी दी गई है।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को गढ़वाल विवि कर्मियों ने भेजा ज्ञापन

श्रीनगर गढ़वाल। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के आह्वान पर हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री को प्रति कुलपति के माध्यम से पुरानी पेंशन लागू किए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन भेजा। इस दौरान कर्मचारियों ने कहा कि लंबे समय से पुरानी पेंशन बहाली की मांग चल रही है। लेकिन सरकार इसे गंभीरता से नहीं ले रही है। जिससे कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। ज्ञापन देने वालों में अखिल भारतीय विश्वविद्यालय कर्मचारी महासंघ के उपाध्यक्ष राजेंद्र भंडारी, एनईसी मेंबर नरेश खंडूड़ी, पूर्व महासचिव मनोज रतूड़ी पूर्व महासचिव आदि मौजूउ रहे।

अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष मज़हर नईम नवाब तथा सरदार इकबाल सिंह ने की समीक्षा बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रूद्रपुर 16 जून , अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष मज़हर नईम नवाब तथा सरदार इकबाल सिंह ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा अल्पसंख्यकों के कल्याण एवं हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं की विकास भवन सभागार में समीक्षा की। उपाध्यक्ष नईम ने बैठक में अनुपस्थित अधिशासी अभियंता जल संस्थान, जिला युवा कल्याण अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जनपद की समस्त नगर पालिकाओं तथा नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों का स्पष्टीकरण के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी पूरी तैयारियों एवं जानकारियों के साथ आगामी बैठकों उपस्थित होना सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ का लाभ दुरस्थ क्षेत्र के पात्र व्यक्तियों तक पहुॅचे। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि सभी विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी आपसी समन्वय एवं तालमेल के साथ जनहित में कार्य करना सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि आम जनता का आयोग से जुड़ाव और अधिक प्रगाढ़ करने के लिए आयोग द्वारा शीघ्र ही विधानसभागार समीक्षा बैठकें आयोजित की जायेंगी व जनसुनवाई भी की जायेगी। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान स्पष्ट निर्देश दिये कि आयुष्मान योजना का लाभ गरीब जनता को मिले। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि आयुष्मान योजनान्तर्गत इम्पेनल्ड चिकित्सालय तथा लेब किसी भी प्रकार का फर्जीवाड़ा न कर सकें, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तत्परता से कार्य करना सुनिश्चित करे। उन्होंने आयुष्मान योजनान्तर्गत इम्पेनल्ड चिकित्सालयों तथा जांच केन्द्रों के साथ अल्पसंख्यक आयोग की एक सप्ताह के भीतर बैठक कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दिये। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगारपरक योजनाओं की समीक्षा करते हुए कहा कि सरकार का मुख्य मकसद है कि हर हाथ में काम होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिये कि योजनाओं के क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की खानापूर्ति न की जाये।

उन्होंने शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि जनपद के खस्ताहाल विद्यालयों के भवन निर्माण हेतु प्रधानमंत्री जन विकास योजना में प्रस्तावित किये जाये तथा विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं, विभिन्न विषयों में विषयवार रिक्त पदों का विवरण तलब किया। उन्होंने मौलाना आजाद एजुकेशन फाईनेन्स फाउण्डेशन योजनान्तर्गत एमबीबीएस के छात्रों पर अधिक फोकस करने के निर्देश दिये। उन्होंने अल्पसंख्यक कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान निर्देश दिये कि जनपद में तैनात सहायक अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारियों का विकासखण्डवार रोस्टर तैयार किया जाये और सहायक अ.क.अधिकारी प्रतिमाह अपनी रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी को प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री हुनर योजना की गहनता से मोनीटरिंग की जाये। इसके साथ ही पुलिस, मत्स्य, खादी एवं ग्रामोद्योग, पुलिस, समाज कल्याण, पेयजल, उद्यान, डेयरी, श्रम आदि विभागों द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तार से समीक्षा की।

सरदार इकबाल सिंह ने कृषि, उद्यान आदि विभागों के अधिकारियों को महत्वपूर्ण दिशा–निर्देश दिया –

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी विशाल मिश्रा, जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अमित कुमार, सहायक निदेशक मत्स्य संजय कुमार छिमवाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी अमन अनिरूद्ध, जिला सेवायोजन अधिकारी आरके पन्त के अलावा परवेज खान, असलम सलमानी, जुल्फिकार अली, सुजातयार खान, सलीम खान, फैजान रजा सहित समबन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

बुरांशबाड़ी में पेयजल व्यवस्था ठीक करने की मांग को जल संस्थान के खिलाफ की नारेबाजी

नई टिहरी। चंबा नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड संख्या सात बुरांशबाड़ी में पेयजल व्यवस्था ठीक करने की मांग को लेकर वार्ड के लोगों ने जल संस्थान के खिलाफ नारेबाजी की। कहा जल्द उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उन्हें आंदोलन के लिये बाध्य होना पड़ेगा। गुरुवार को डीएम दफ्तर के बाहर पेयजल व्यवस्था सुचारु करने की मांग को लेकर बुरांशबाड़ी के लोगों जल संस्थान के खिलाफ नारेबाजी की और डीएम को ज्ञापन सौंपा। जिसके बाद सभी लोग जल संस्थान के दफ्तर पहुंचे और अधिशासी अभियंता के समक्ष अपनी समस्या रखी। वार्ड सभासद शाक्ति प्रसाद जोशी ने कहा कि बुरांशबाड़ी वार्ड में रोटेशन के मुताबिक पानी की आपूर्ति न होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, जबकि लोगों द्वारा पेयजल बिल का भुगतान नियमित रुप से किया जा रहा है। कहा कि पेयजल किल्लत के चलते लोगों को पानी के लिये इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। उन्होंने कहा जल्द पेयजल से संबधिंत समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो बुरांशबाड़ी के लोग जल संस्थान दफ्तर के बाहर धरना प्रदर्शन शुरु करेंगे। मांग करने वालों में कुंवर सिंह असवाल, विजेंद्र नेगी, ममता लेखवार, देवेन्द्र कैंतुरा, सुषमा चमोली, लक्ष्मी देवी, वीरा देवी सुनीता भंडारी, सरोजनी देवी, चंद्रमा देवी, अन्नू बेलवाल, रोशनी सजवाण, बुद्धी सजवाण, रीना बिजल्वाण, शैलेन्द्र भंडारी, मदनलाल डबराल, नत्थी सिंह मखलोगा, बबली देवी, राहुल नेगी, राजपाल कुंवर आदि मौजूद थे। उधर, जल संस्थान के ईई सतीश चंद्र नौटियाल ने लोगों को अश्वासन दिया कि जल्द बुरांशबाड़ी में पेयजल व्यवस्था को दुरस्त कर दिया जाऐगा।

नई शिक्षा नीति के मिलेंगे सुखद परिणाम

नई टिहरी। केंद्रीय विद्यालय नई टिहरी नगर में जी 20 शिखर सम्मेलन के प्रति जागरूकता के लिए जन भागीदारी गतिविधियों के तहत वृहस्पतिवार को नई शिक्षा नीती (एनईपी) पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते डायट के प्राचार्य आरपी डंडरियाल ने कहा कि नई शिक्षा नीति का क्रियान्वयन एक चुनौती है, लेकिन इसे समय के साथ पूरा किया जायेगा। नई शिक्षा नीति में नये बदलावों को प्रभावी करने में समय जरूर लगेगा, लेकिन इसके सुखद परिणाम सामने आयेंगे। कार्यशाला को संबोधित करते हुए केवी नया नगर के प्राचार्य प्रदीप चंद्र थपलियाल ने कहा कि देश को जी 20 की अध्यक्षता मिलना गौरव का विषय है। उस पर जी 20 की दो बैठकें जनपद में टिहरी गढ़वाल होना ऐतिहासिक है । इससे टिहरी जनपद का नाम अंतराष्ट्रीय स्तर पर पहचाना जायेगा, यहां की संस्कृति की छाप जी 20 देशों के डेलीगेटस की मदद से दूसरे देशों तक पहुंचेगी। पीएम मोदी के प्रयासों से अंतराष्ट्रीय साख के लिए यह एक अहम और मील का पत्थर साबित होने वाला कदम है। कार्यशाला में जी 20 की चर्चा के साथ ही एनईपी के एफएलएन कार्यक्रम पर वृहत कार्यशाला में मुख्य वक्ता दीपक रतूड़ी ने कहा कि एफएलएन एक राष्ट्रीय मिशन है। सभी राज्यों में इसे लांच किया गया है। जिसका उद्देश्य 2025-26 तक 3 से लेकर 9 वर्ष तक के आयुवर्ग के बच्चों के समग्र विकास करना है। एफएलएन मिशन को भारत सरकार की नई शिक्षा नीति के निपुण भारत मिशन के अंतर्गत संचालित किया जा रहा है। इसके तहत आधारभूत साक्षरता व अंक ज्ञान पर भी चर्चा की गई। कार्यशाला के समापन पर केवी की ओर से वरिष्ठ शिक्षक एसएस जयाड़ा ने सभी प्रतिभागी अध्यापकों, आन लाइन जुड़े स्कूलों व मेहमानों का आभार जताते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर वक्ताओं के रूप में कार्यशाला में विशेष अतिथि के रूप में सहायक निदेशक मत्स्य विभाग गरिमा, मुख्य वक्ता दीपक रतूड़ी, महेश पति गोस्वामी, पौखाल जवाहर नवोदय विद्यालय के प्राचार्य आदेश शर्मा, अनीता रावत, बिरेंद्र सिंह भंडारी ने नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं पर फोकस करते हुए विचार रखे।

चंबा नगर में महापंचायत के समर्थन में लोगों ने रैली निकाली

नई टिहरी। उत्तरकाशी जिले के पुरोला में होने वाली महापंचायत के समर्थन में चंबा कस्बे के व्यापारियों ने दो घंटे सांकेतिक तौर पर बाजार बंद रखा। इस दौरान विहिप के साथ अन्य हिन्दू संगठनों से जुड़े लोगों ने बाजार में रैली भी निकाली। गुरुवार को पुरोला में होनी वाली महापंचायत के समर्थन विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल, चंबा के व्यापारियों और स्थानीय लोगों ने चंबा कस्बे के मसूरी, कॉलेज, ब्लॉक और पुरानी टिहरी सडक़ पर रैली निकालकर महापंचायत का समर्थन किया। चंबा के व्यापारियों ने महापंचायत के समर्थन में सुबह नौ बजे से 11 बजे तक अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। विहिप के जिलाध्यक्ष सुरम तोपवाल ने कहा कि उत्तराखंड में लव जिहाद और लैंड जिहाद की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, ऐसी घटनाओं पर प्रमुखता से अंकुश लगाया जाना चाहिए। कहा समुदाय विशेष के कुछ लोग देवभूमि में आकर यहां का माहौल खराब करने की कोशिश में लगे है। कहा कि जो लोग पहाड़ी की शांत वादियों में इस तरह की घटनाओं को अंजाम देने के उद्देश्य देवभूमि में आ रहे हैं, ऐसे लोगों को किसी भी सूरत में बर्दास्त नहीं किया जाऐगा। उन्होंने शासन प्रशासन से ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्यवाही मांग की मांग की है। रैली में विहिप जिला मंत्री यशपाल सजवाण, बब्बू रमोला, राजेंद्र सिंह राणा, सागर कोठारी, अक्षित बिजल्वाण, कपिल डबराल, नरेश चंद रामाला, राजीव रावत ,बलवीर राणा, साहब सिंह सजवाण, विक्रम चौहान, विकास रावत, चंद्रशेखर तिवाड़ी सहित भारी संख्या लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

डामरीकरण की मांग को लेकर चौथे दिन भी धरना जारी

नई टिहरी। चंबा-नागड़ी बाईपास संघर्ष समिति के बैनर तले अमर शहीद श्रीदेव सुमन और विक्टोरिया क्रास विजेता वीर गब्बर सिंह के गांव को जोडने वाले मोटर मार्ग के डामरीकरण की मांग को लेकर ग्रामीणों का धरना गुरुवार को भी जारी रहा। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय से मार्ग के डामरीकरण की मांग की जा रही है, लेकिन शासन-प्रशासन की मांग को लेकर संवेदनहीन बना हुआ है। गुरुवार को भी स्यूटा, बड़ा स्यूटा, भंडार गांव, जौल, जड़धार गांव आदि के ग्रामीणों ने चौथे दिन भी धरना वीवी गब्बर सिंह चौक पर जारी रखा। टिहरी रियासत को राजशाही से मुक्ति दिलाने वाले श्रीदेव सुमन के पैतृक गांव जौल व प्रथम विक्टोरिया क्रास विजेता वीर गब्बर सिंह के गांव को जोडने वाले चंबा से जंगलात चौकी तक ग्राम जौल को जोडने वाले मोटर मार्ग के डामरीकरण व सुधारीकरण की मांग की जा रही है। लेकिन शासन-प्रशासन इस ओर आंखें मूंदे हुए है। मांग न मानी गई तो आंदोलन को तेज करने का काम किया जायेगा। धरने को समर्थन देने वालों में पूर्व नगर पालिकाध्यक्ष विक्रम सिंह पंवार, रघुवीर रावत, भगवती प्रसाद बडोनी, दिनेश सिंह भंडारी, मोहन सिंह भंडारी, सुरेंद्र दत्त, मार्कंडे प्रसाद बडोनी, रविंद्र सिंह नकोटी, भरोसी लाल, सुरेश कुमार, पीएन सोनी, दिनेश प्रसाद बडोनी आदि मौजूद रहे। जबकि धरने पर प्रधान छोटा स्यूटा सुषमा पुंडीर, सीमा भंडारी, ममता भंडारी, सुशील भंडारी व उर्मिला भंडारी आदि चौथे दिन बैठे।

भाजपा ने हमेशा एससी वर्ग को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया : दर्शन लाल

नई टिहरी। कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के प्रदेश अध्यक्ष दर्शन लाल ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था, जहां बदहाल स्थिति में है, वहीं धार्मिक भावनाओं को भडक़ा कर सौहाद्र के माहौल का खराब करने का काम किया जा रहा है। प्रदेश की जनता से सौहाद्रपूर्ण माहौल को बरकरार रखने की अपील करते हुए कहा कि किसी के बहकावे में आने की जरूरत नहीं है। अनुसूचित विभाग के अध्यक्ष दर्शन लाल कांग्रेस कार्यालय नई टिहरी में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अपने संबोधन आगे कहा कि भाजपा ने हमेशा एससी वर्ग को वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। आज स्थिति यह है कि एससी वर्ग के छात्रों की छात्रवृतियां बंद कर दी गई हैं। जो कांग्रेस कार्यकाल में दी जाती थी। महिलाओं के साथ अत्याचार किया जा रहा है। प्रदेश में महिला हत्याकांडों से यह बात साबित हो जाती है। अंकिता हत्याकांड के आरोपियों के साथ हमदर्दी से बालिकाओं को लेकर दावे करने वाले सरकार कटघरे में खड़ी हैं। धर्म और जाति के नाम पर राजनीती कर दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों को जो माहौल खराब किया जा रहा है। वह देश के विकास व अंतराष्ट्रीय छवि के लिए ठीक नहीं है। जिसे आम लोगों को समझना चाहिए और बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने गरीब भूमिहीन एससी के लोगों को भूमि देने की मांग सरकार से करते हुए कहा कि जिन गरीब व एससी लोगों ने सरकारी जमीनों पर भवन व खेत बनाये हैं। उन्हें उनके नाम किया जाय। इस मौके पर एआईसीसी सदस्य डा उमाकांत ने कहा कि हाईकमान के निर्देश पर प्रदेश के ब्लाकों में बेहतर काम करने वाले नेताओं को आगे लाने का काम किया जायेगा। इस मौके पर कांग्रेस के जिलाध्यक्ष राकेश राणा, महिला कांग्रेस की जिलाध्यक्ष आशा रावत, प्रदेश महामंत्री शांति प्रसाद भट्ट, एससी विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष धनी लाल शाह, मुरारी लाल खंडवाल, खुशी लाल, दिनेश कोहली, मुशरफ अली, शहर कांग्रेस अध्यक्ष कुलदीप पंवार, ज्योति प्रसाद भट्ट सहित दर्जनों मौजूद रहे।